कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

स्थापना वर्ष:1963

E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

Syllabus – B. A. VIth Sem. – Academic Session – 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-A)

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय : हिन्दी साहित्य
सेमेस्टर – VIth

1. पाठ्यकम का कोड – A3-HLIT2D
2. पाठ्यकम का शीर्षक – जनसंचार माध्यम – सिद्धांत और अनुप्रयोग
3. पाठ्यकम का प्रकार – मेजर
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. यह एक रोजगारोन्मुखी पाठ्यकम है जो विद्यार्थियों को जन संचार माध्यम में कौशल प्राप्त करने एवं रोजगार प्राप्त करने में सहयोगी होगा।
   2. विद्यार्थी महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम होंगे।
   3. विद्यार्थियों को पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक और राष्टीय दायित्व का बोध होगा।
4. केडिट मान – सैद्धांतिक – 06
5. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**जनसंचार की अवधारणा और विविध आयाम –** 1. जनसंचार माध्यम, परिभाषा, स्वरूप एवं चुनौतियां 2. जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – प्रिंट (मुद्रण) श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
इकाई–2	**प्रिंट पत्रकारिता –** **समाचार अवधारणा, समाचार स्त्रोत एवं क्षेत्र** 1. समाचार संग्रह, पद्धति और लेखन प्रकिया 2. समाचार का वर्गीकरण – खोजी, व्याख्या परख एवं अनुवर्तन समाचार 3. संवाददाता की भूमिका 4. सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन, फीचर लेखन 5. मुद्रण कला – ले–आउट एवं पृष्ठ सज्जा
इकाई–3	**पत्रकारिता प्रबंधकन –** 5. विज्ञापन विकय एवं वितरण 6. प्रेस वार्ता एवं साक्षात्कार
इकाई–4	**दृश्य श्रव्य माध्यम – इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता –** 1. समाचार संकलन (दृश्य श्रव्य माध्यम) 2. सम्पादन प्रस्तुतिकरण की प्रकिया 3. टेलीविजन, धारावाहिक, टेलीड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा 4. दृश्य श्रव्य माध्यम के लिये विज्ञापन, निर्माण लेखन एवं प्रस्तुति 5. प्रेस वार्ता एवं साक्षात्कार

अविरत.....2

इकाई–5	**न्यू मीडिया/वेब मीडिया –** 1. न्यू मीडिया/वेब मीडिया का आशय एवं विविध रूप 2. न्यू मीडिया/वेब मीडिया में समाचार लेखन, सम्पादन एवं प्रस्तुतिकरण 3. समाचार लेखन एवं सम्पादन 4. न्यू मीडिया का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष और प्रभाव 5. प्रेस एवं मीडिया संबंधी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता
व्यावहारिक ज्ञान	– प्रिंट/रेडिया/इलेक्ट्रानिक/न्यू मीडिया संबंधित समाचार लेखन एवं प्रस्तुतिकरण – फिल्म समीक्षा
	संदर्भ ग्रंथ – 1. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2. द्विवेदी, संजय, नए समय का संवादः सोशल नेटवर्किंक, नेहा पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन, 3. शुक्ल, सौरभ नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विपेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली 4. श्रीवास्तव, डॉ.राजेश, दृश्य– श्रव्य माध्यम लेखन – कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 5. सिंह, अजय कुमार, इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता – लोक भारती प्रकाशन 6. जैन, डॉ.संजय कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन 7. द्विवेदी, संजय, मीडिया/भूमंडलीकरण और समाज 8. परिहार, कालूराम, मीडिया का सामाजिक सरोकार 9. पटेल योगेश, सोशल मीडिया 10. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें।

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

Syllabus – B. A. VIth Sem. – Academic Session – 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-A)

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय : हिन्दी साहित्य
सेमेस्टर – VIth

1. पाठ्यकम का कोड – A3-HLIT3D
2. पाठ्यकम का शीर्षक – हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधारा
3. पाठ्यकम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE) - I
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थी इस पाठ्यकम के अध्ययन से प्राचीन परंपरा एवं आधुनिक संदर्भ में राष्ट्रीय चेतना के अर्थ से सुभिज्ञ होंगें।
   2. विद्यार्थी इस पाठ्कम के माध्यम से राष्टॅनिर्माण में स्वयं की भूमिका चयन करने में समर्थ हो सकेंगे।
   3. सृजनात्मक क्षमता वाले विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से युक्त कविता और गीतों का सृजन कर गीत–संगीत एवं फिल्मों में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकते हैं।
   4. विद्यार्थी राष्टीय चेतना में साहित्य परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**राष्ट्र और राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा एवं स्वरूप –** ➢ अर्थ, परिभाषा ➢ भारतीय प्राचीन वांगमय में राष्ट्र एवं राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप ➢ आधुनिक भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य में राष्ट्रीय चेतना संबंधी दृष्टि
इकाई–2	**हिन्दी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास (संक्षिप्त एतिहासिक यात्रा) –** ➢ आदि कालीन युगीन राष्ट्रीय पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां ➢ मध्यकालीन राष्ट्रीय पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां ➢ आधुनिक काल की राष्ट्रीय पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
इकाई–3	**स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप –** ➢ भारतेंदु युग से छायावाद तक प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना। ➢ भारतेंदु (मुकरियॉ) – भीतर – भीतर सब रस चूसे ..... ➢ मैथिलीशरण गुप्त – मातृभूमि (भारत भारती) ➢ जयशंकर प्रसाद – हिमाद्री तुंग श्रृंग से ..... ➢ माखनलाल चतुर्वेदी– कैदी और कोकिला ..... ➢ बालकृष्ण शर्मा नवीन – विप्लव गान, कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ ..... ➢ सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत ..... ➢ सोहनलाल द्विवेदी – वंदना के इन स्वरों में ..... ➢ श्यामनारायण पांडे – हल्दी घाटी ..... ➢ दिनकर – शहीद स्तवन .....

अविरत.....2

इकाई–4	**स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी राष्ट्रीय –** ➤ गिरजा कुमार – आज विजय ➤ गोपाल सिंह नेपाली – यह स्वतंत्रता का दिया ➤ श्री कृष्ण सरल – मैं अमर शहीदों का चारण (क्रांति गंगा काव्य संग्रह) ➤ बलवीर सिंह – बोले रक्त शहीद का ➤ डॉ. कृष्ण गोपाल मिश्र – सरदार पटेल (कविता संग्रह कसक)
इकाई–5	**फिल्मी गीतों में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना –** ➤ कवि प्रदीप – आज हिमालय की चोटी से ..... ➤ प्रेम धवन – छोडो कल की बातें, कल की बात पुरानी ..... ➤ नीरज – ए मेरे प्यारे वतन ..... ➤ कैफी आजमी – कर चले हम फिदा जाने तन साथियों ..... ➤ इंदीवर – है प्रीत जहां की रीत सदा में गीत वहां के गाता हूँ .....
	व्यावहारिक ज्ञान – ❖ स्थानीय रचनाओं के राष्टीय गीतों का संकलन, सस्वर गायन, कविता पाठ ❖ राष्ट्रीयता पर आधारित फिल्मों की समीक्षा ❖ राष्ट्रीय चेतना आदि
	संदर्भ ग्रंथ – 1. चतुर्वेदी, नरेश चंद्र, राष्टीय कवितायें, साहितय निकेतन, कानपुर 2. गौतम, सुरेश, छायावाद का उत्तर राग, राष्टीय संस्कृतिक काव्य, आलोक पर्व प्रकाशन, दिल्ली 3. पथिक, डॉ.देवराज, मुक्तिबोध के काव्य में राष्टीय चेतना, आशा प्रकाशन, दिल्ली 4. पथिक, देवराज शर्मा, हिन्दी की राष्टीय काव्यधारा, एक समग्र अनुशीलन, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

Syllabus – B. A. VIth Sem. – Academic Session – 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-A)

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय : हिन्दी साहित्य
सेमेस्टर – VIth

1. पाठ्यकम का कोड – A3-HLIT4D
2. पाठ्यकम का शीर्षक – हिन्दी आलोचना
3. पाठ्यकम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE) – II
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवके/समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा जिससे वह आलोचना लेखन एवं प्रकाशन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
   2. विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान–विज्ञान को निरपेक्ष रूप से समझ सकेगा जिससे सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर सकेगा जिससे सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर सकेगा। समाज कल्याण संबंधी क्षेत्र मं रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
   3. विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा जिससे वह रचनात्मकता एवं भाषा के क्षेत्र में नए प्रयोग कर सकेंगें।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**आलोचना की अवधारणा एवं स्वरूप –** ❖ आलोचना : शाब्दिक व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार।
इकाई–2	**आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिक परिचय –** ❖ संस्कृत आलोचना का इतिहास एवं संक्षिप्त परिचय। ❖ हिन्दी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास एवं परिचय।
इकाई–3	**हिन्दी आलोचना के प्रमुख प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय –** ❖ शास्त्रीय ❖ स्वच्छंदतावादी ❖ मनोविश्लेषणवादी ❖ समाजशास्त्रीय
इकाई–4	**हिन्दी आलोचना के अन्य प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय –** ❖ हिन्दी आलोचना के अन्य प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय। ❖ मार्क्सवादी ❖ सौंदर्य शास्त्रीय ❖ शैली वैज्ञानिक ❖ व्यावहारिक समीक्षा

अविरत.....2

इकाई–5	**हिन्दी के प्रमुख आलोचक एवं उनके आलोचना सिद्धांत –** ❖ आचार्य रामचंद्र शुक्ल ❖ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ❖ आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी ❖ डॉ. नगेन्द्र ❖ डॉ. नामवर सिंह
	व्यावहारिक ज्ञान – ❖ कविता, कहानी, उपन्यास किसी भी एक पर पुस्तक समीक्षा। ❖ विद्वानों द्वारा की गयी समीक्षाओं का अध्ययन।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. मिश्र, डॉ.रामचंद्र हिन्दी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ, डि.मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली, मद्रास। 2. मिश्र, भागीरथ, "काव्यशास्त्र" विश्वविद्यालय, प्रकाशन। 3. चौधरी, डॉ. सत्यदेव एवं गुप्ता, शांति स्वरूप, भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, अशोक पब्लिकेशन, दिल्ली। 4. तिवारी, डॉ.रामचंद्र, आलोचक का दायित्व, विश्वविद्यालय प्रकाशन। 5. त्रिगुणयक, डॉ.गोविंद शास्त्रीय, समीक्षा के सिद्धांत, भारतीय साहित्य मंदिर।

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर – VI th

1. **पाठ्यकम का कोड – A3-ECON2D**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – सांख्यिकी**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों को सांख्यिकी की विभिन्न अवधाणाओं जैसे समंक संग्रह की विधियों, केंद्रीय प्रवृत्ति एवं अपकिरण की माप को समझने में सक्षम होंगे।
   2. इसके साथ ही वे सहसंबंध एवं प्रतीपगमन गुणांक, कालमाला, सूचकांक, प्राथमिकता की विभिन्न तकनीकों को समझ सकेंगे।
   3. विद्यार्थी भारत में समंक संग्रह के स्रोतों की जानकारी प्राप्त कर संबंधित क्षेत्रों के अनुभवजन्य समंकों की व्याख्या करने में भी सक्षम होंगें।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	**परिचय –** 1. सांख्यिकी – अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र एवं सीमाएं 2. समग्र एवं न्यादर्श, निदर्शन एवं निदर्शन की रीतियां 3. समंक संकलन – प्राथमिक एवं द्वितीयक समंक 4. समंकों का वर्गीकरण एवं सारणीयन 5. समंकों का प्रस्तुतीकरण – चित्रमय एवं रेखीय प्रदर्शन
इकाई–2	**केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप –** 1. केन्द्रीय प्रवृत्ति – अर्थ, महत्व, एवं विशेषताएं 2. समांतर माध्य, गुणोत्तर माध्य एवं हरात्मक माध्य एवं उनके अनुप्रयोग 3. प्राचीन भारत में भारित अंगणित माध्य – एक परिचय 4. माध्यिका एवं बहुलक 5. अपकिरण की अवधारणा, महत्व एवं विशेषताएं 6. अपकिरण की माप– विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन 7. प्रमाप विचलन एवं विचलन गुणांक 8. विषमता गुणांक
इकाई–3	**सहसंबंध एवं प्रतीपगमन –** 1. सहसंबंध – अर्थ, प्रकार एवं महत्व 2. कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक 3. स्पियरमैन का कोटि अंतर सहसंबंध गुणांक 4. प्रतीपगमन – परिचय 5. प्रतीपगमन की रेखाएं 6. प्रतीपगमन गुणांक 7. प्रतीपगमन एवं सहसंबंध में अंतर एवं उपयोग

अविरत.....2

15/09/25

इकाई–4	**कालमाला एवं सूचकांक –** 1. कालमाला – संकलपना, घटक एवं विश्लेषण 2. उपनति ज्ञात करने की विधियॉं – मुक्त हस्त वक्र रीति, अर्द्ध मध्यम रीति, चल माध्य रीति, न्यूनतमवर्ग विधि 3. सूचकांक – परिभाषा, विशेषताएं, महत्व, उपयोग, सीमाएॅं एवं समस्याएं 4. सूचकांक का निर्माण – स्थिर आधार रीति एवं श्रृंखला आधार रीति 5. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 6. लैम्पियर, पाशे एवं फिशर का आदर्श सूचकांक 7. उत्क्राम्यता परीक्षण
इकाई–5	**प्रायिकता एवं भारत में समंक के स्रोत –** 1. प्रायिकता – परिभाषा एवं अवधारणाएं 2. प्रायिकता का परिकलन – योग प्रमेय, गुणन प्रमेय 3. सपतिबंध प्रायिकता 4. भारत में समंक संकलन के स्त्रोत 5. केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय 6. जनसंख्या, कृषि एवं औद्योगिक समंक के स्रोत
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. नागर कैलाशनाथ – सांख्यिकी के मूलतत्व, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ 2. सिंह सुदामा, सिंह ओ.पी., एवं सिंह वाई.के. – अर्थशास्त्र, गणित एवं प्रारंभिक सांख्यिकी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली 3. शुक्ल एवं सहाय – सांख्यिकी के सिद्धांत, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 4. जैन एस.सी., परिणामात्मक प्रविधियां, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 5. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल द्वारा विषय से संबंधित पुस्तकें

25/09/25 V.soni

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर – VI th

1. पाठ्यकम का कोड – A3-ECON3D
2. पाठ्यकम का शीर्षक – अर्थशास्त्र के लिये गणित
3. पाठ्यकम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE) – I
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. अर्थशास्त्र क अध्ययन करने के लिए आवश्यक गणितीय कौशल में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
   3. फलनों की विशेषताओं की पहचान एवं समाधान कर सकेंगे।
   4. आर्थिक विश्लेषण में बुनियादी अवकलन, मैट्रिक्स, समाकलन, रेखीय प्रोग्रामिंग और खेल सिद्धांत का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
   5. अर्थशास्त्र में विभिन्न वित्तीय परियोजना मूल्यांकन तकनीकां को समझ सकेंगे।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	**समीकरण और फलन –** 1. एकघात, द्विघात समीकरण एवं युगपत समीकरण 2. युगपत समीकरण को हल करने की वैदिक पद्धति 3. अनुपात, समानुपात 4. वृद्धि – सरल, यौगिक एवं घातीय 5. मिश्रांक (रेखा कोष्ठक) 6. उपभोक्ता एवं उत्पादन व्यवहार से संबंधित आर्थिक समस्या 7. फलन – फलन के प्रकार, उदाहरण एवं फलन का रेखा चित्रीय निरूपण 8. आर्थिक समस्या में प्रयुक्त दो आयामों की ज्यामिति – एक बिंदुपथ एवं सरल रेखा के लिए समीकरण निर्माण
इकाई–2	**मूलभूत मैट्रिक्स, सारणिक एवं इसके अनुप्रयोग –** 1. मैट्रिक्स – प्रकार, मैट्रिक्स परिवर्तन एवं उसके नियम, मैट्रिक्स का क्रम, मैट्रिक्स की कोटि, स्थानांतरण मैट्रिक्स 2. सारणिक 3X3 तक विशेषताएं और सारणिक का मूल्य, अपसारणिक, सहखंड एवं व्युत्क्रम 3. व्युत्क्रम के साथ रेखिक समीकरणों को हल करना 4. रैखिक समीकरणों को हल करने के लिए केमर का नियम 5. इनपुट – आउटपुट मॉडल
इकाई–3	**अवकलन गणित एवं उसके अनुप्रयोग –** 1. अवकलन – नियम, एकल चर और बहु चर फलनों का अवकलन (त्रिकोणमितीय और लघुगणक फलन को छोडकर) 2. उच्च कम अवकलन – फलनों का अधिकतम एवं न्यूतनम 3. अर्थशास्त्र में अवकलन का अनुप्रयोग – सीमांत फलन, आगम फलन, मांग और पूर्ति की लोच, लागत एवं लाभ फलन, एकाधिकार पर कराधान और सब्सिडी के प्रभाव

अविरत.....2

15/09/25

इकाई–4	**समाकलन, रेखीय प्रोग्रामिंग एवं खेल सिद्धांत –** 1. सरल समाकलन 2. निश्चित समाकलन 3. समाकलन के अर्थशास्त्र में अनुप्रयोग 4. परिचयात्मक रैखिक प्रोग्रामिंग – ग्राफिक और सिप्लेक्स विधि 5. खेल सिद्धांत की मूल अवधारणा
इकाई–5	**वित्तीय गणित –** 1. वित्तीय अर्थशास्त्र का परिचय 2. मुद्रा का समय , मूल्य, भविष्य का मूल्य, वर्तमान मूल्य, एकवार्षिकी का भष्यि मूल्य, एक वार्षिकी का वर्तमान मूल्य, शाश्वत्ता की वर्तमान दर 3. निवेश मानदंड – शुद्ध वर्तमान मूल्य, लाभ लागत अनुपात, प्रतिफल की आंतरिक दर, संशोधित प्रतिफल की आंतरिक दर
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. मिश्रा, जयप्रकाश, गणितीय अर्थशास्त्र, साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा 2. अग्रवाल, एच.एच. अर्थमिति एवं गणितीय अर्थशास्त्र, आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स जयपुर 3. मध्यपेदश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल द्वारा विषय से संबंधित प्रकाशित पुस्तकें 4. Agrwal D.r., Mathamatics and Statistics in Economics, Vrinda P. Delhi 5. Mike Roster, Basic Mathematics for Economics, Routledge, New York. 6. Chiang, A. Fundamental Methods for Mathematics, McGraw Hill Education New Delhi. 7. Mehta, Madanani, Mathematics for Economics, Sultan Chand and Sons. 8. Books publisherd by M.P. Nindi Granth Academy, Bhopal.

..... 15/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय:– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर – VI th

1. पाठ्यकम का कोड – A3-ECON4D
2. पाठ्यकम का शीर्षक – प्रारंभिक अर्थमिति
3. पाठ्यकम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)–12
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थी साधारण न्यूनतम वर्ग विधि की मूल अवधारणा और आकलन के लिए व्यापक परिचय की व्याख्या करने में सक्षम होंगे जो आर्थिक संबंधों की व्यावहारिक समझ और आर्थिक मॉडल तैयार करने के लिए आवश्यक है।
   2. विद्यार्थी प्रतीपगमन मॉडल विनिर्दिष्टीकरण, चयन, परिकल्पना परीक्षण, आकलन और नैदानिक परीक्षण की विभिन्न अवधारणाओं के बारे में जानने में सक्षम होंगे।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	**परिचय –** 1. अर्थमिति की परिभाषा और क्षेत्र 2. आर्थिक सिद्धांत, गणितीय अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के मध्य संबंध 3. अर्थमिति की कार्यप्रणाली 4. अर्थमिति के उद्देश्य, उपयोग एवं अर्थमिति की सीमाएं 5. भारतीय अर्थमितियों का जीवन और कार्य, प्रो.पी.सी. महालनोबिस, सुखमय चक्रवर्ती, जगदीश भगवती, जी.एस. मडाला, दामोदर गुजराती, के. एल. कृष्णा, भारतीय अर्थमिति संस्था।
इकाई–2	**सरल रेखीय प्रतीपगमन मॉडल –** 1. मूल अवधारणाएं. प्राचल, आकलक, चिर एवं समंकों के प्रकार 2. सरल रेखीय प्रतीपगमन मॉडल, मान्यताएं एवं आकलन 3. साधारण न्यूनतम वर्गो की विधि 4. आकलकों के गण, आसंजन की श्रेष्ठता, परिकल्पना परीक्षण, पैमाना और मापन की इकाइयॉ, विश्वासता अंतराल 5. गॉस–मार्कोव प्रमेय, पूर्वानुमान
इकाई–3	**बहु–प्रतीपगमन विश्लेषण तीन–चार माडल –** 1. बहु–प्रतीपमन विश्लेषण रखीय माडल 2. प्राचलों का आकलन 3. सामान्य न्यूनतम वर्ग (OLS), आकलकों की विशेषताएं, आसंजन की श्रेष्ठता R^2 और समयोजित R^2 4. आंशिक प्रतीपगमन गुणांक, परिकल्पना परीक्षण – व्यक्तिगत एवं संयुक्त 5. प्रसरण विश्लेषण और प्रतीपगमन, प्रसरण विश्लेषण (ANOVA) पर आधारित परीक्षण

अविरत.....2

15/09/25

इकाई–4	**प्रतीपगमन मॉडल के विभिन्न फलनात्मक रूप –** 1. प्रतीपगमन मॉडल के विभिन्न फलनात्मक रूप, लॉग–लॉग, लॉग–लिन, लिन–लॉग एवं वयुत्क्रम मॉडल 2. फलनात्मक रूप का चुनाव 3. रेखीयता के लिए परीक्षण 4. गैर रेखीय प्रतीपगमन मॉडल का आकलन 5. मूक चर मॉडल एवं इसके उपयोग
इकाई–5	**प्रतिष्ठित मान्यताओं का उल्लंघन –** 1. प्रतिष्ठित मान्यताओं का उल्लंघन – परिणाम पहचान और उपचार 2. बहुसंरेखता 3. विषम विचालिता 4. स्व सहसंबंध 5. विशिष्टता त्रुटि
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. अग्रवाल, एच.एच. अर्थमिति एवं गणितीय अर्थशास्त्र, आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स जयपुर 2. मध्यप्रेदश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल द्वारा विषय से संबंधित प्रकाशित पुस्तकें 3. Madani, GMK, - Introduction to Economics – Principles and Applicatins, Oxford and IBH Publicatin Co. New Delhi. 4. Maddala, G.S. Economics , An intdoructin, McGraw Hill, New York. 5. Koustoyianis, A. Theory of Economics II Edi.McGraw Hill, New York. 6. Books publisherd by M.P. Nindi Granth Academy, Bhopal.

15/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – VIth

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-SOCI2D**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – सामाजिक जनांकिकी**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों को जनसंख्या के संरचनात्मक घटकों का वैज्ञानिक एवं तार्किक ज्ञान प्रदान करने में सहायक होगा।
   2. छात्र जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात, आयु एवं आय वितरण का ज्ञान स्वरोजगार स्थापित करने में सहायक होगा।
   3. भारत एवं मध्यप्रदेश की विभिन्न जनसंख्यात्म सूचनाएं विार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने में सहायक होगी।
   4. जनसंख्या संबंधी विभिन्न समंकों की जानकारी उच्चस्तरीय शोध में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेगी।
   5. जनगणना संबंधी ज्ञान विद्यार्थी को रोजगार कार्यालय में पंजीयन जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधी विभिन्न अभिलेखों के विषय में जानकारी प्रदान करने में सहायक होगा।
6. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
7. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
8. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**जनांकिकी, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य –** 1. जनांकिकी 1.1 अवधारणा 1.2 प्रकृति 1.3 विषय क्षेत्र 1.4 महत्व 2. जनांकिकी का समाजशास्त्र से संबंध 3. जनगणना आंकडों के संग्रहण की विधियां 4. भारत में जनांकिकीय अध्ययन का इतिहास	
इकाई–2	**जनसंख्या के सिद्धांत –** 1. माल्थस का जनसंख्या का सिद्धांत 2. नव माल्थसवाद 3. अनुकूलतम जनसंख्या का सिद्धांत 4. जनसंख्या का जैविकीय सिद्धांत 5. जनसंख्या का सामाजिक सांस्कृतिक, आर्थिक सिद्धांत	
इकाई–3	**प्रजननता, मृत्युकम एवं अस्वस्थता प्रमापन –** 1. प्रजननता 1.1 अवधारणा 1.2 प्रजननता को प्रभावित करने वाले तत्व 1.3 प्रजननता मापन की विधियां 2. मृत्युकम 2.1 अवधारणा	

अविरत.....2

	2.2 मृत्युकम को प्रभावित करने वाले कारक 2.3 मृत्युकम मापन की विधियां 3. अस्वस्थता 3.1 अवधारणा 3.2 अस्वस्थता के अध्ययन का महत्व 3.3 अस्वस्थता का मापन 4. शिशु मृत्यु दर 4.1 अवधारणा 4.2 उँची शिशु मृत्यु दर के कारण
इकाई–4	**भारत में जनगणना –** 1. भारत में जनगणना का इतिहास 1.1 अवधारणा 1.2 प्रशासनिक ढांचा 2. भारत की जनसंख्या की संरचना 2.1 आकार एवं जनघनत्व 2.2 जन्मदर एवं मृत्युदर 2.3 लिंगानुपात, युवा एवं कार्यशील जनसंख्या 2.4 साक्षरतादर, ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या 3. मध्यप्रदेश की जनसंख्यात्मक संरचना 4. भारत में जनांधिक्य की समस्या – कारण एवं प्रभाव
इकाई–5	**जनसंख्या नीति एवं परिवार कल्याण कार्यकम –** 1. जनसंख्या नीति 1.1 अवधारणा 1.2 उद्देश्य 1.3 राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 2. परिवार नियोजन एवं कल्याण कार्यकम 2.1 अवधारणा 2.2 आवश्यकता 2.3 संवैधानिक प्रावधान 2.4 परिवार नियोजन कार्यकम का मूल्यांकन 3. जनसंख्यात्मक शिक्षा 3.1 अवधारणा 3.2 उद्देश्य 3.3 आवश्यकता
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. पंत जी.सी. जनांकिकी 2. श्रीवास्तव, ओ.एस., जनांकिकीशास्त्र का अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र 3. बघेल, किरण, जनांकिकी एवं भारत में जनस्वास्थ्य 4. सिन्हा, वी.सी., जनांकिकी के सिद्धांत 5. अग्रवाल, आर. के., जनांकिकीशास्त्र 6. कुमार वी. जनांकिकी, साहितय भवन, आगरा 7. पंत, जीवनचंद जनांकिकी 8. दुबे, मिश्रा, जनांकिकी एवं जनसंख अध्ययन 9. बघेल, डी.एम. एवं बघेल, किरण जनांकिकी, विवेक प्रकाशन नई दिल्ली 10. गुप्ता, शीलचंद्र, जनांकिकी, कैलाश पुस्तक सदन,भोपाल 11. मिश्रा, जयप्रकाा, जनांकिकी, साळित्य भवन पब्लिकेशन आगरा 12. वर्मा ज्योति सामाजिक जनांकिकी, डिस्कवरी पब्लिक हाउस, नई दिल्ली

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – VI th

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-SOCI4D**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – अपराध और समाज**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – डिसिप्लेन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)I**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. इस पाठ्यक्रम की मुख्य परिलब्धि विद्यार्थियों के मध्य अपराध, अपराधी एवं अपराध के कारणों की वैज्ञानिक एवं तार्किक समझ पैदा करना एवं इस संबंधी पूर्व भ्रांतियों को दूर करना।
   2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के संगठित, व्यावसायिक,श्वेतपोष अपराध एवं साइबर अपराध जैसे नये अपराधों के प्रति सचेत करने में सफल होगा।
   3. अपराध हेतु संवेधानिक प्रावधानों, क्षतिपूर्ति के नियम एवं पीडितों के प्रति न्याय संबंधी ज्ञान विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण होगा।
   4. दण्ड, कैदी एवं बंदीगृह संबंधी नये प्रावधान विद्यार्थियों की सोच को वैज्ञानिक बनाएगी।
   5. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की एक वृहद क्षेत्र जैसे शासकीय सेवा, शोध क्षेत्र, चिकित्सा परामर्श एवं सामाजिक क्षेत्र में रोजगार के प्रचुर अवसर उपलब्ध करायेगा।
6. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
7. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
8. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**1. अपराध एवं अपराधी –** 1.1 अपराधः अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं 1.2 अपराध का वर्गीकरण 1.3 दुष्कृति, पाप, दुराचरण एवं अनैतिकता 1.4 भारत में अपराध के कारण **2. अपराध के कारण संबंधी प्रमुख सम्प्रदाय –** 2.1 शास्त्रीय सम्प्रदाय 2.2 भौगोलिक सम्प्रदाय 2.3 प्रारूपवादी सम्प्रदाय 2.4 समाजशास्त्रीय सम्प्रदाय **3. भारत में अपराध नियंत्रण एवं निवारण –** 3.1 अर्थ एवं उद्देश्य 3.2 अपराध निवारण के मुख्य उपाय 3.3 अपराध नियंत्रण में पुलिस की भूमिका 3.4 अपरांध पीडित हेतु क्षेतिपूर्ति प्रावधान	

Contd------2

इकाई–2	1. **अपराध के बदलते प्रारूप –** 1.1 पेशेवर अपराध एवं संगठित अपराध 1.2 श्वेत वसन अपराध 1.3 सयबर अपराध 2. **बच्चों एवं महिलाओं के प्रति अपराध –** 2.1 प्रकार एवं कारण 2.2 उन्मूलन के उपाय 2.3 बच्चों एवं महिलाओं के विरूद्ध अपराध हेतु वैधानिक प्रावधान
इकाई–3	1. **बाल अपराध –** 1.1 बाल अपराध : अर्थ, परिभाषा एवं वर्गीकरण 1.2 बाल अपराध के कारण 1.3 बाल अपराध का निवारण एवं उपचार 1.4 भारत में संबंधित सुधारात्मक संस्थाएं 1.5 किशोर न्यायालय 2. **बाल आवारापन –** 2.1 अर्थ, परिभाषा एवं कारण 2.2 समस्या उन्मूलन के उपाय 3. **बाल पलायनवादिता –** 3.1 अर्थ, परिभाषा एवं कारण 3.2 बाल आवारापन, बाल पलायनवादिता एवं बाल अपराध में अंतर
इकाई–4	1. **दण्ड –** 1.1 दण्ड, अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य 1.2 दण्ड के सिद्धांत 1.3 मृत्युदण्ड 2. **दण्डशास्त्र –** 1.4 अर्थ एवं परिभाषा 1.5 दण्डशास्त्र का विषय क्षेत्र 3. **परिवीक्षा एवं कारावाश (पैरोल)** 3.1 अर्थ एवं परिभाषा 3.2 उद्देश्य, योग्यता एवं शर्तें 3.3 लाभ एवं हानि
इकाई–5	**भारत में सुधारात्मक संस्थाएं –** 1. सुधारात्मक कार्यक्रम, अर्थ एवं विशेषताएं 2. **बंदीगृह –** 2.1 अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य 2.2 भारत में बंदीगृह का इतिहास 2.3 मानवाधिकार एवं बंदीगृह प्रबंधन 2.4 बंदीगृह सुधार 3. खुले बंदीगृहः अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य 4. बंदी कल्याण कार्यक्रम
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. अपराधशास्त्र, गणेश पाण्डे, राधा पब्लिकेशन। 2. अपराधशास्त्र एवं दण्ड शास्त्र, डॉ.बसंतीलाल बाबेल, सुविधा ला–हाउस प्रणाली लिमिटेड 3. विवेचनात्मक अपराधशास्त्र, पब्लिकेशन राम आहुजा एवं मुकेश आहुआ 4. अपराधशास्त्र, दण्डशास्त्र एवं पीडितशास्त्र, इंडिया पब्लिकेशन कं. पब्लिकेशन डिविजन 5. दण्डशास्त्र अपराधियों का उपचार एंवं पीडितशास्त्र, आगरा ला–पब्लिकेशन 6. अपराधदण्ड प्रशासन एवं प्रति प्रपिडनशास्त्र, डॉ.ना.वि. परांजपे 7. सामुहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्धति, डॉ. फरान खान

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – VIth

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-SOCI3D**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – समाजशास्त्रीय चिंतन का आधार**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – डिसिप्लेन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE- II)**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों समाजशास्त्रीय चिंतन के मूल पाठ को समझ सकेंगे।
   2. छात्र विभिन्न विद्वानों के सैद्धांतिक तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
   3. व्यावहारिक दुनिया में सामाजिक घटना को समझने के लिए विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे।
   4. यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज, संस्कृति एक परम्पराओं की वैज्ञानिक एवं गहन तार्किक सम विद्यार्थी में विकसित करेगा।
5. **क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**समाजशास्त्रीय चिंतन की उत्पत्ती –** 1. भारतीय पृष्ठभूमि में सामाजिक चिंतन की व्याख्या 2. सामाजिक विचार की अवधारणा एवं महत्व 3. सामाजिक चिंतन की आर्थिक पृष्ठभूमि 4. सामाजिक चिंतन की एतिहासिक पृष्ठभूमि	
इकाई–2	**समाजशास्त्र के प्रमुख प्रतिपादक –** 1. अगस्त काम्टे – 1. सामाजिक पुनःनिर्माण की योजना 2. प्रत्यक्षवाद का सिद्धांत 2. इमाईल दुर्खीम – 1. सामाजिक तथ्य का सिद्धांत 2. धर्म का सिद्धांत 3. विल्फ्रेडो परेटो – 1. संभ्रांतजन या अभिजात वर्ग का परिभ्रमण सिद्धांत 2. तार्किक एवं अतार्किक किया का सिद्धांत	
इकाई–3	**समाजशास्त्र के अग्रणी विचारक –** 1. मेक्स वेबर – 1. आदर्श प्रारूप का सिद्धांत 2. सत्ता का सिद्धांत 2. कार्ल्मार्क्स – 1. अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत 2. वर्ग संघर्ष एवं सामाजिक परिवर्तन 3. टाल्कट परसन्स–1. सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा 2. सामाजिक किया का सिद्धांत	
इकाई–4	**भारतीय समाजशास्त्र के पथप्रदर्शक –** 1. ए.आर. देसाई – 1. भारत में राष्ट्रवाद का उदय 2. इरावति कर्वे – भारत में नातेदारी संगठन 3. योगेंद्र सिंग – भारतीय परम्पराओं का आधुनिकरण	

Contd....2

इकाई–5	**प्रमुख भारतीय सामाजिक विचारक –** 1. मोहनदास करमचंद गांधी – 1. ग्राम स्वराज की अवधारणा 2. अहिंसा की अवधारणा 2. एम.एन. श्रीनिवास – संस्कृतिकरण और पश्चिमीकरण 3. स्वामी विवेकानंद – भारत का भविष्य 4. महर्षि अरविंद – इतिहास एवं संस्कृति पर विचार
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. प्रो.डोसी,एम.एल.एवं जैन पी.सी.,2001,प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक,रावत पब्लि. जयपुर 2. आर.एन.मुकर्जी– समाज शास्त्रीय विचारों का इतिहास विवेक प्रकाशन, दिल्ली। 3. मुकर्जी– अग्रवाल– पमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा 4. गुप्ता– शर्मा – प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, साहित्य भवन, आगरा। 5. ध्रुव दीक्षित– प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा। 6. महाजन– महाजन – प्रमुख समाज विचारक, रामदास एण्ड संस, आगरा। 7. Yogendra Singh– Modernization of India Tradition. 8. C.A. Coser– Master of Socioiological Thughts. 9. Raymond Aron– Main Currents in Sociological Thughts Vol-I & II

.....

स्थापना वर्ष:1963

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– राजनीति विज्ञान
सेमेस्टर – VI th

1. **पाठ्यकम का कोड – A3-POSC2D**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – लोक प्रशासन**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों में लोक प्रशासन के अकादमिक विषय से संबंधित प्रमुख अवधारणाओं की समझ होना।
   2. लोक वित्त एवं लोक कार्मिक के प्रमुख क्षेत्रों की प्रशासनिक कियाओं एवं कार्यों का ज्ञान प्राप्त करना।
   3. भारत में नौकरशाही एवं लोक सेवा भर्ती प्रकिया से परिचित होना।
   4. समकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख मुद्दों पर ज्ञानवर्धन होना तथा विश्लेषण क्षमता विकसित करना।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
5. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	**लोक प्रशासन का परिचय –** – लोक प्रशासनः अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र। अकादमिक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास। राजनीति – प्रशासन द्वेतभाववव। लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन – विशेषताएँ, अंतर एवं समानताएँ।
इकाई–2	**संगठन एवं इसके सिद्धांत –** – संगठन : अर्थ, संगठन के आधार, संगठन के प्रकार – विशेषताएँ, गुण एवं दोष। संगठन के सिद्धांत – पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, समन्वय, पर्यवेक्षण, प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व, केन्द्रीकरण एवं विकेन्द्रीकरण, प्रत्यायोजन। – मुख्यालय – क्षेत्र सम्बन्ध – – सूत्र अभिकरण, स्टाफ अभिकरण एवं सहायक अभिकरण। अर्थ, विशेषताएं एवं महत्व।
इकाई–3	**कार्मिक प्रशासन एवं नौकरशाही –** – कार्मिक प्रशासन – अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्व। भर्ती – अवधारणा, सिद्धांत, प्रकार (गुण एवं दोष सहित)। प्रशिक्षण – अर्थ, उद्देश्य, प्रकार एवं महत्व। – पदोन्नति – अर्थ एवं सिद्धांत। – नौकरशाही : अवधारणा, प्रकार, मैक्स वेबर की आदर्श प्रकार की नौकरशाही एवं इसकी प्रासंगिकता। भारतीय नौकरशाही : चारित्रिक विशेषताएँ : राजनीतिक एवं मत्री – नौकरशाह संबंध।
इकाई–4	**बजट –** – बजट : अवधारणा, सिद्धांत एवं महत्व। बजट के प्रकार : विशेषताएं, गुण–दोष लेखांकन एवं लेखा परिक्षण : अवधारणा एवं महत्व। – भारत में बजटीय प्रकिया : बजट – निर्माण, बजट – अधिनियमन एवं बजट – कियान्वयन। बजटीय प्रकिया में संलग्न संस्थाएं। – भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक : नियुक्ति प्रावधान, शक्तियां एवं कार्य, आलोचना।

अविरत.....2

24/9/25
24/9/25

इकाई–5	**भारत में प्रशासन की नवीन प्रवृत्तियां –** – सुशासन : अवधारणा, तत्व, विशेषताएँ एवं महत्व। ई–शासन : अर्थ, विशेषताएं, क्षेत्र, प्रकार एवं महत्व। – सार्वजनिक, निजी भागीदारी (पीपीपी) : अवधारणा, प्रकार एवं महत्व। – जन–भागीदारी : अर्थ, प्रकार एवं महत्व। भारत में जन भागीदारी का स्वरूप।

	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. कौर, इंद्रजीत, लोक प्रशासन, नये क्षितिज पब्लिशिंग हाउस, आगरा 2. फाडिया, बी.एस. एवं फाडिया कुलदीप, लोक प्रशासन, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 3. कटारिया, सुरेंद्र, लोक प्रशासन सिद्धांत एवं व्यवहार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस 4. लक्ष्मीकांत, एम., लोक प्रशासन, मैक्ग्राव हिल पब्लिकेशन हाउस 5. अवस्थी एवं माहेश्वरी, लोक प्रशासन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा 6. सिंह होशियार, सचदेवा प्रदीप, लोक प्रशासन : सिद्धांत एवं व्यवहार, पिअरसन प्रकाशन, दिल्ली 7. शर्मा, एम.पी., बी.एल., सदाना, लोक प्रशासनः सिद्धांत एवं व्यवहार, किताब महल, नई दिल्ली 8. कटारिया, सुरेंद्र, कार्मिक प्रशासन, आर.बी.एस.ए. प्रकाशन, जयपुर 9. सिंघल, एस.सी., लोक प्रशासन के तत्व, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल 10. शर्मा, एम.पी., सदाना, बी. एल., लोकप्रशासन : सिद्धांत एवं व्यवहार, किताब महल प्रकाशन 11. कटारिया, सुरेंद्र, भारतीय प्रशासन, आर.बी.एस.ए. प्रकाशन, जयपुर 12. कटारिया, सुरेंद्र, आर्थिक नीति एवं प्रशासन, मलिक एण्ड कंपनी, जयपुर 13. कटारिया, सुरेंद्र, प्रशासनिक सिद्धांत एवं प्रबंध, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर 14. बघेल, सी.एल., योगेंद्र कुमार, सुशासन की अवधारणा और दृष्टिकोण, कनिष्का पब्लिशर, नई दिल्ली 15. सिंहल, एस.सी., लोक प्रशासन के प्रमुख विचार एवं मुददे, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा 16. गुप्ता, एल.डी., लोक प्रशासन, म. प्र. हिंदी ग्रंथ अगादमी, भोपाल। 17. म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।

DR. A. Bajpai 24/9/25

24/09/25

Manisha 16/09/25

24/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– राजनीति विज्ञान
सेमेस्टर – VI

1. **पाठ्यकम का कोड – A3-POSC4D**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – अंतर्राष्ट्रीय ~~संविधान~~ संबंध एवं सकमालीन मुद्दे**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थी अंतराष्ट्रीय संबंध का विषय के रूप में विकास, विभिन्न परिभाषाएं, सिद्धांत और मुख्य अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
   2. विद्यार्थी वैश्वीकरण एवं विश्व पर उसके बदलती अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक व्यवस्था में इसके प्रभाव को समझ सकेंगे।
   3. विद्यार्थी संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एवं कार्य, संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से शांति, सुरक्षा, आर्थिक व सामाजिक विकास के प्रोत्साहन के बारे में समझ सकेंगे।
   4. विद्यार्थी वैश्विक मुद्दों को समझने में सक्षम होंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
8. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाइ	विषय
1	**अंतर्राष्ट्रीय संबंध का परिचय –** 1. एक विषय के रूप में अंतर्राष्ट्रीय संबंध, विकास एवं विभिन्न परिभाषाएं 2. अंतर्राष्ट्रीय संबंध के सिद्धांत, यथार्थवाद (परंपरागत यथार्थवाद, संरचनात्मक यथार्थवाद, रक्षात्मक/आकामक यथार्थवाद) उदारवाद (परस्पर निर्भरता, नवउदारवादी संस्थावाद, वाणिज्यिक उदारवाद) मार्क्सवाद (लेनिन, ग्रामस्की और विश्व व्यवस्था सिद्धांत)। 3. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की मुख्य अवधारणाएं, राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय हित, शक्ति का संतुलन, सामुहिक सुरक्षा। 4. वैश्वीकरण का बोध
2	**बदलती अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक व्यवस्था –** 1. शीत युद्ध और द्वी–ध्रुवीयता 2. सेवियत संघ का विघटन, उथ्तर शीत युद्ध एवं ध्रुवीयता 3. गुटनिरपेक्ष आंदोलन उद्देश्य एवं उपलब्धियां, समकालीन विश्व में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता 4. उपनिवेशवाद से उपनिवेशवाद
3	**संयुक्त राष्ट्र एवं विश्व शांति –** 1. संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंग भूमिका एवं कार्य 2. संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार की आवश्यकता 3. शांति और सुरक्षा का प्रोत्साहन 4. आर्थिक एवं सामाजिक विकास का प्रोत्साहन

अविरत......2

4	**वैश्विक अर्थव्यवस्था एवं बहुपक्षीय संगठन –** 1. वैश्विक आर्थिक शासनः ब्रेटन वुड्स व्यवस्था का निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय निधि, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन 2. अभियान, युरोपीय संघ, सार्क, ब्रिक्स, क्वाड (QUAD)
5	**वैश्विक मुद्दों का बौध –** 1. सतत विकास लक्ष्यों को बचाना 2. पर्यावरण के मुद्दे : जलवायु परिवर्तन 3. आर्थिक मुद्दे : निर्धनता 4. सामाजिक मुद्दे : लैंगिक न्याय, मानवाधिकार, आतंकवाद
	अनुशंसित अध्ययन संदर्भ ग्रंथ :– 1. Acharya, A. Global International Relattion and regional worlds. A new Agenda for International studies. International studie quarterly 2. Baylis, John et al The globalization of world politicis. An Introduction to IR Oxford. University Press. 3. Burchill, S. et al. The ories of International Relations, Basingstoke, Palgrave Macmillan. 4. Brown, C., & Ainley, K. Understanding International Relatins, Basingstoke. Palgrave. 5. Carr, E.H. International Relations between the tow world wars. New York.

.....

16/09/25

24/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष

विषय :– राजनीति विज्ञान

सेमेस्टर – VI

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-POSC3D**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – तुलनात्मक** विश्व संविधान
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   7. छात्र यह समझने में सक्षम होंगे कि विभिन्न देशों में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका कैसे काम करती है और कैसे ये संस्थाएं परस्पर व्यवहार करती है।
   8. छात्र ये समझने में सक्षम होंगे कि एक देश की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका कैसे विभिन्न देशों से अलग है, उनकेक क्या गुण और दोष हैं, जिससे.वे तुंलनात्मक विश्लेषण का एक ढाचा विकसित करने में सक्षम होंगे।
   9. कुल मिलाकर, छात्र संविधानों और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम होंगे।
10. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04.**
11. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम** उत्तीर्ण अंक – 35
8. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाइ	विषय
1	**ब्रिटिश संविधान** का परिचय – 5. संविधान का विकास एवं संसदीय लोकतंत्र की यात्रा 6. संविधान की मुख्य विशेषताएं 7. राजा, प्रधानमंत्री और कैबिनेट 8. संसद 9. न्यायपालिका 10. दलीय व्यवस्था
2	**अमेरिकी संविधान** का परिचय – 5. अमेरिकी संविधान का निर्माण 6. संविधान की मुख्य विशेषताएं 7. कार्यपालिका 8. विधायिका 9. न्यायपालिका 10. दलीय व्यवस्था
3	**स्विस संविधान** का परिचय – 5. स्विस संविधान का निर्माण और इसकी मुख्य विशेषताएं 6. कार्यपालिका 7. विधायिका 8. न्यायपालिका 9. दलीय व्यवस्था

24/09/25 DR. A. [illegible] 24/09/25

4	**चीनी संविधान का परिचय –** 3. चीनी संविधान का निर्माण और इसकी मुख्य विशेषताएं 4. कार्यपालिका 5. विधायिका 6. न्यायपालिका 7. चीन की कम्युनिस्ट पार्टी 8. चीन में लोकतंत्र
5	**संविधान का तुलनात्मक अध्ययन –** 5. संयुक्त राज्य अमेरिका और स्विट्जरलैंड में संवैधानिक संशोधन 6. अमेरिकी राष्ट्पति ओर ब्रिटिश प्रधानमंत्री 7. अमेरिकी सीनेट और ब्रिटिश हाउस ऑफ लॉर्डस 8. स्विस संघीय प्रणाली और अमेरिकी संघीय प्रणाली 9. चीन, ब्रिटेन और अमेरिका की राजनीतिक दल प्रणाली।

	अनुशंसित अध्ययन संदर्भ ग्रंथ :– 6. भगवान, विष्णु एवं विद्या भूषण, विश्व संविधान, न्यू दिल्ली, स्टार्लिंग पब्लिकेशन. 7. कपूर, अनूप चंद एवं मिश्रा, के.के., सिलेक्ट कांट्रिब्यूशन, न्यू देहली, एस चंद एण्ड कं. 8. Adams, A The Role of the Federal Judiciary, Proceeding of the American Philosophical Society. 9. Abramson, P., Aiddch. J., Paolino, P. & Rohde, D. Challenges to the American Two party system Evidence from the Presidental electin. Policical Research Quaterly, 10. Anson, W. the parliament Act and the British Constitution Columbia Law Review

Manisha 16/09/25

DR. A. Dayal 24/9/25

24/09/25